नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

समरसता , सद्भाव और भविष्य की पूंजी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का इंदौर में दिया गया संबोधन न केवल वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों का विश्लेषण है, बल्कि आने वाले समय के लिए एक स्पष्ट वैचारिक मार्गदर्शन भी है. उन्होंने चेताया कि मनुष्य को केवल उपभोग की वस्तु मानने वाली भौतिकवादी सोच ने यूरोप की आत्मा को खोखला कर दिया, और अब यही सोच भारत की पारिवारिक व सामाजिक संरचना को भी तोड़ने में सक्रिय है. यह चेतावनी महज एक विचार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की सुरक्षा का आह्वान है.

डॉ. भागवत ने इंग्लैंड में 2021 में आयोजित 'डिस्मेंटलिंग हिन्दुत्व' सेमिनार का संदर्भ देकर स्पष्ट किया कि यह कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित वैचारिक युद्ध है. इसके पीछे विश्व के 50-60 प्रभावशाली कॉर्पोरेट घराने हैं, जिनका उद्देश्य भारत की सामाजिक एकता को खंडित कर, यहां के विशाल बाजार पर कब्जा करना है. यह रणनीति उसी तरह की है, जैसी औपनिवेशिक युग में 'डिवाइड एंड रूल' के तहत अपनाई गई थी. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज भी वैचारिक उपनिवेशवाद सक्रिय है,जहां आर्थिक लाभ के लिए सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने के अभियान चलाए जाते हैं.

भारत के लिए यह चुनौती इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यहां धर्म और राष्ट्र एक-दूसरे से गहरे जुड़े हैं. धर्म यहां केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है.एक ऐसी समग्र दृष्टि जो व्यक्ति, परिवार, समाज और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करती है. डॉ. भागवत ने स्वामी दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरुषों का उल्लेख कर यह स्मरण दिलाया कि सच्चा राष्ट्रवाद जात-पात के ऊपर उठकर, सबको एकसूत्र में बांधने से ही सशक्त होता है. उनका यह आग्रह कि कमजोर समाज के उत्थान के लिए सभी जातियों को सामूहिक प्रयास करना चाहिए, केवल सामाजिक न्याय का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का भी आधार है. आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को ऊपर उठाना राष्ट्र को भीतर से मजबूत करता है, क्योंकि विभाजित समाज किसी भी बाहरी दबाव का सामना नहीं कर पाता.

इंदौर की सद्भाव बैठक से यह भी स्पष्ट है कि संघ इस वैचारिक चेतावनी को केवल भाषण तक सीमित नहीं रख रहा, बल्कि नवंबर में तहसील स्तर तक बैठकों के जरिए सामाजिक समरसता का आंदोलन खड़ा करने की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है. यह मॉडल यदि व्यापक स्तर पर लागू होता है, तो यह भारत की सांस्कृतिक सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता की भी गारंटी बन सकता है. वैश्विक संदर्भ में देखें तो यूरोप और अमेरिका जैसे समाज, जहां उपभोगवाद ने पारिवारिक मूल्यों को पीछे छोड़ दिया, आज जनसंख्या संकट, मानसिक अवसाद और सामाजिक विघटन से जूझ रहे हैं. वहीं, भारत की ताकत उसकी सामुदायिकता, संयुक्त परिवार प्रणाली और सांस्कृतिक तारतम्य में है.यदि हमने इन्हें संभालकर रखा, तो न केवल वैचारिक उपनिवेशवाद की चुनौती का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाले दशकों में एक सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभरेंगे.

डॉ. मोहन भागवत का संदेश हमें यही याद दिलाता है—भारत की असली शक्ति उसके मंदिरों, बाजारों या संसद भवन में नहीं, बल्कि उन घरों और मोहल्लों में है, जहां लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी होते हैं. यही समरसता हमारी असली रक्षा-कवच है, और यही भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी.

मालवा- निमाड़ की डायरी

धाकड़-सोजतिया विफल रहे, फिर जागी उम्मीद

संजय व्यास

गरोठ को जिला बनाने की दशकों की मांग फिर जोर पकड़ रही है. हर बार मामला फिसलता रहा, अब संघर्ष समिति को मोहन सरकार में गरोठ जिला बनने की उम्मीद बलवती है. गरोठ के युवा सहित बुजुर्ग और कई संगठनों ने एकजुट होकर जिला बनाओ संघर्ष समिति के माध्यम से कई बार पहले भी प्रयास कर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक सबको पत्र लिखे, आंदोलन भी किए पर नीमच जिला बन गया और गरोठ वासी खाली हाथ रहे.

गरोठ- भानपुरा विधानसभा में कई नेता आए ओर चले गए लेकिन गरोठ को जिला बनाने के लिए जितनी कड़ी मशक्कत पूर्व भाजपा विधायक देवीलाल धाकड़ और पूर्व कांग्रेस विधायक और मंत्री रहे सुभाष सोजतिया ने की उतनी किसी नेता नहीं की. कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान के कारण सोजतिया गरोठ जिला नहीं बना पाए. पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ ने भी कई प्रयास किए लेकिन गुरु चेले के वचनबद्ध शिवराज मामा गरोठ को जिला बनाने के आश्वासन के अलावा जिला बनाने की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए. अब मोहन सरकार से आशा है, लेकिन क्षेत्रीय विधायक चंदर सिंह सिसोदिया को ठोस प्रयास करने पड़ेंगे.

गरोठ में जिला बनाओ संघर्ष समिति ने एक बैठक के दौरान कहा कि हम इस तहसील को हर हाल में जिला बनवा कर रहेंगे. पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ ने भी इस बात का समर्थन किया और कहा है कि हम गरोठ को जिला बनाने के लिए हर संभव प्रयत्न जारी रखेंगे भौगोलिक दृष्टिकोण हो या अन्य, हर तरह से गरोठ जिला बनने के उम्मीदों पर खरा

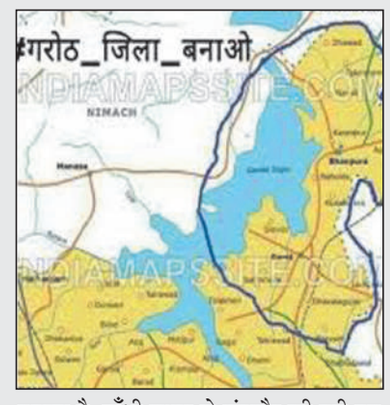

उतरता है. गाँधी सागर से मंदसौर की दूरी तय करने में कई घंटों का समय लगता है. गाँधी सागर से लेकर भानपुरा, गरोठ, भेसोदा, बोलिया ,शामगढ़ की आमजनता और छोटे बड़े काम में गरीब मजदूर सुबह से शाम तक लम्बी दूर तय कर परेशान होते रहते हैं. गरोठ जिला बनने से इनकी यह समस्या दूर हो जाएगी.

माफिया- तस्कर बाधक

क्षेत्र में बढ़ते माफिया राज और तस्करों सहित काला बाजारी वाले गिरोह नहीं चाहते कि गरोठ जिला बनें. जिला बनने पर सभी विभागों के मुख्यालय यहां आ जाने से इन लोगों की कारगुजारी पर सीधा असर पड़ेगा. अवैध गतिविधियों पर तगड़ा शिकंजा होने से इनके कामधंधों पर अंकुश रहेगा.

दूसरी तरफ गरोठ के जिला बनने से लाखों लोगों को फायदा होगा. इससे एक तरफ जहां सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी वहीं युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे. अभी तस्कर-माफियाओं के लिए राह भटके बेरोजगार उनकी अवैध गतिविधियों में मुख्य कड़ी हैं. सो राजनीतिक दलों में घुसे इनके तथाकथित दलाल अंदरूनी रोड़ा अटका कर गरोठ को जिला बनाने में बाधा पैदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ते.

हेमंत की सादगी पर फिदा हर कार्यकर्ता

राकेश शर्मा

मध्य प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की आजकल पूरे प्रदेश में कार्यकर्ता आपस में चर्चा करते हैं और चर्चा का विषय रहता है. प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सादगी राजनीतिक क्षेत्र में जब किसी को जवाबदारी मिल जाती है तो व्यक्ति में परिवर्तन आता है और रहन-सहन बदल जाता है पर मध्य प्रदेश के कार्यकर्ता अपने नए अध्यक्ष की सादगी पर फिदा हैं. बिना ताम-झाम के सहज एवं सरल रूप से जैसे अध्यक्ष बनने से पूर्व हेमंत खंडेलवाल थे, वैसे ही अभी भी हैं.

किसी को छोटी-सी भी जवाबदारी मिल जाती है तो उसके बाद नेताओं को लग-दग कपड़ों में देखने के कार्यकर्ता आदि हो गए हैं पर हेमंत खंडेलवाल सादगी की प्रति मूर्ति हैं,सिंपल शर्ट- पैंट में रहते हैं. उनके साथ लंबा-चौड़ा हुजूम नहीं चलता. सहयोगी भी उन्होंने खुद के रखे हैं जिनका पेमेंट वह स्वयं करते हैं, ऐसा सुनने में आया है. गाड़ी ड्राइवर भी स्वयं के रखे हैं. आज मध्य प्रदेश का हर कार्यकर्ता एक बात की चर्चा करता है कि वह जो परंपरा बहुत दिनों से पार्टी में कम हो गई थी,उसे हेमंत खंडेलवाल ने अपनी प्राथमिकता में शामिल किया है. वरिष्ठ नेताओं के निवास पर जाकर उनसे मिलना, साथ ही वह नेता जिन्होंने बीजेपी को आज विशाल बट वृक्ष के रूप में तैयार किया, आज जिले से लेकर प्रदेश और देश में भाजपा की सरकार बनी तो इन्हीं महान मनिषियों ने अपना जीवन लगाकर कष्ट सहन करते हुए पार्टी को आज इतनी ऊंचाइयों तक बढ़ाया, ऐसे वरिष्ठ नेताओं के घर जाकर हेमंत खंडेलवाल मिल रहे हैं जिससे कार्यकर्ताओं में भी उत्साह आ रहा है और वह वरिष्ठ नेता जिनसे अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल मिल रहे हैं उन्हें भी अच्छा लग रहा है कि पार्टी ने उन्हें भूलाया नहीं है.

एक परिवार की भावना आज पार्टी में नजर आ रही है जिसका सारा श्रेय भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को जाता है. संभाग स्तर पर लगातार प्रवास कर कार्यकर्ताओं में एक नया उत्साह और उमंग हेमंत खंडेलवाल भर रहे हैं जो भारतीय जनता पार्टी की ताकत को बढ़ाने का काम कर रही है. प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल लगातार कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए अपनी पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए साथ ही मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव की सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए और केंद्र की मोदी सरकार की जनहितैषी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह कर रहे हैं. कार्यकर्ताओं में जिस तरह का उत्साह और उमंग दिखाई दे रहा है उससे सिद्ध हो रहा है कि हेमंत खंडेलवाल की मेहनत सफल हो रही है.

प्रदेश अध्यक्ष पार्टी का अभिभावक होता है जो रीति-नीति और रास्ता प्रदेश अध्यक्ष दिखाते हैं उस पर भाजपा के लाखों कार्यकर्ता चलते हैं. हर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता को अपने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पर गर्व है कि वह लगातार उनकी चिंता कर रहे हैं और उन्हें लगातार मार्गदर्शन दे रहे हैं. हेमंत खंडेलवाल के दरवाजे कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा खुले रहते हैं. प्रदेश से आए हुए कार्यकर्ता उनसे मिलकर संतुष्ट होकर लौटते हैं. यह प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की एक बड़ी विशेषता है. नवनियुक्त अध्यक्ष के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी तरक्की के नए सोपान प्राप्त करेगी,यह लगने लगा है. पूरी बीजेपी में एक नया उत्साह और उमंग की लहर हेमंत खंडेलवाल के अध्यक्ष बनने के बाद नजर आ रही है.

फिर लंपी वायरस की दहशत

रतलाम और ग्रामीण क्षेत्रों के गोपालकों में फिर लंपी वायरस की दहशत है. 2022 में भी लंपी वायरस गोवंश में फैला था, जो गायों के लिए महामारी साबित हुआ था. तब कई गायों की मौत के साथ ही दुग्ध उत्पादन पर भी बड़ा असर पड़ा था. फिलहाल रतलाम शहर और पास के गांव खेतलपुर में कुछ पशुओं में लंपी वायरस के लक्षण देखे गए हैं. इसके मद्देनजर गोपालक गायों को बाहर से चारा लाकर खिलाने से बच रहे हैं .उन्हें डर है कि बाहर से लाए गए हरे चारे की वजह से वायरस फैल सकता है. उधर पशु चिकित्सा विभाग भी सतर्क हो गया है और मातहत क्षेत्र के पशुओं पर नजर बनाए हैं.

बिजलीघरों के विस्तार से पर्यावरण को क्षति

देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए सरकार आगामी 6 वर्षों में बिजली उत्पादन में 90 गीगावाट की वृद्धि करने जा रही है. इससे पर्यावरणवादियों में गहरी चिंता है क्योंकि नए थर्मल पावर प्लांट बनाने से वायु प्रदूषण फैलेगा, तापमान गर्म होगा तथा बिजली घरों की राख पानी में मिलने से लोग रोगग्रस्त होंगे. 2015 में बिजलीघरों के लिए सल्फर डाय ऑक्साइड को ट्रीट करना बाध्यकारी बना दिया गया था, लेकिन अब यह नियम केवल नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) तथा 10 लाख की आबादी के शहरों पर लागू रहेगा और बाकी को इसकी अनिवार्यता नहीं रहेगी. ऐसी सी श्रेणी के 75 प्रतिशत औष्णिक बिजली घरों को जिनकी क्षमता 200 गीगावाट है, उत्सर्जन को ट्रीट करने की आवश्यकता नहीं रहेगी. केंद्र सरकार ने अपने कदम के समर्थन में आईआईटी दिल्ली और नागपुर के नीरी के अध्ययन का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया है कि 10 शहरों में सल्फर डाय ऑक्साइड गैस का स्तर खतरनाक स्तर से कम है. भारतीय कोयले में सल्फर (गंधक) की मात्रा कम होने की बात कही गई है. इन सारी दलीलों के बावजूद यह तथ्य है कि जिन इलाकों में महाऔष्णिक बिजलीघर बने हैं, वहां बहुत गर्मी पड़ती है जैसे कि चंद्रपुर और कोरबा बहुत गर्म क्षेत्र है. इसके अलावा कोयले के धुएं से वायु प्रदूषण होता है और सांस व फेफड़े की बीमारियां बढ़ जाती हैं. बिजलीघरों की राख नदी-तालाब जैसे जलस्रोतों में बहाई जाती है जिसका पानी पीने से पेट की बीमारियां होती हैं. पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए कोयले से चलने वाले बिजली घर हानिकारक हैं. महाराष्ट्र में तो यह मुद्दा भी उठाया गया था कि पश्चिम महाराष्ट्र के उद्योगों की बिजली की जरूरत पूरी करने के लिए विदर्भ में बिजलीघर लगाए जाते हैं, जिससे विदर्भ में बढ़ते तापमान व प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है. राख से फसलें भी बर्बाद होती हैं. 34 प्रतिशत से अधिक राख वाले कोयले का उपयोग नहीं करने का नियम 2020 में शिथिल कर दिया गया. राख और सल्फर उत्सर्जन से पर्यावरण व स्वास्थ्य को क्षति का मुद्दा भी विचारणीय है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

सलीम-जावेद के नाम पर दूर की कौड़ी राहुल-शरद हैं जय-वीरू की जोड़ी

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, मानना होगा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एक ऐसे कुशल डॉक्टर हैं जिन्होंने फर्जीवोटोमैनिया नामक रोग की पहचान की है. यह बीमारी कोविड, डेंगू या चिकनगुनिया से भी खतरनाक है. इसके संसर्ग में राहुल गांधी के बाद विपक्ष के अन्य नेता भी आने लगे हैं. जिसे इसका इन्फेक्शन हो जाता है वह बीजेपी और चुनाव आयोग की मिलीभगत का मनमाना आरोप लगाने लगता है. ऐसा करते समय यह भी नहीं सोचता कि बीजेपी महान राष्ट्रवादी पार्टी है जो चाल, चेहरा और चरित्र की गारंटी देती आई है और चुनाव आयोग परम पवित्र संवैधानिक संस्था है जिस पर शक करना पाप है. हमने कहा, यह रोग क्या है और इसके लक्षण क्या हैं? इसकी शुरूआत कहां से हुई?

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक के चुनाव में व में फर्जी मतदान का आरोप लगाया है. जिसके बाद महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार ने भी इस आरोप की पुष्टि करते हुए

विस्फोटक खुलासा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव घोषित होने के बाद उनके पास दिल्ली में 2 दलाल 160 सीटों पर चुनाव जिताने का ऑफर लेकर आए थे. इसके बाद उन्होंने इन दलालों की मुलाकात राहुल गांधी से भी करवा दी थी. दोनों नेताओं ने तय किया वो इस चक्कर में नहीं पड़ेंगे. यह हमारी पार्टियों का रास्ता नहीं है. हम जनता के पास जाकर उसका समर्थन मांगेंगे.

हमने कहा, देवेंद्र फडणवीस ने इस बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पवार को राहुल का रोग लग गया है. उनकी हालत राहुल जैसी हो गई है जो सलीम-जावेद की फिल्मों की तरह मनगढ़ंत कहानियां गढ़ते हैं.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, सलीम-जावेद की लिखी जंजीर, शोले, दीवार जैसी फिल्मों की कहानियां सुपर हिट हुई थीं. कहीं राहुल और शरद पवार का बयान भी इसी तरह जनता को न लुभाए ! शोले के जय-वीरू के समान इन नेताओं की जोड़ी पक्की दोस्ती की मिसाल साबित न हो! आगे चलकर अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, केजरीवाल भी ऐसी बयानबाजी से सहमत होकर कह सकते हैं- मिले सुर मेरा तुम्हारा, हो एनडीए का कबाड़ा. शक की सुई तेजी से घूमनी लगी है. हमने कहा, सलीम-जावेद की शोले में गब्बर सिंह खलनायक था. यहां कौनसा विलन है?

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, राहुल गांधी शुरू से ही मोदी सरकार के जीएसटी को गब्बरसिंह टैक्स कहते आ रहे हैं.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11991 - डॉ. सागर खादीवाला

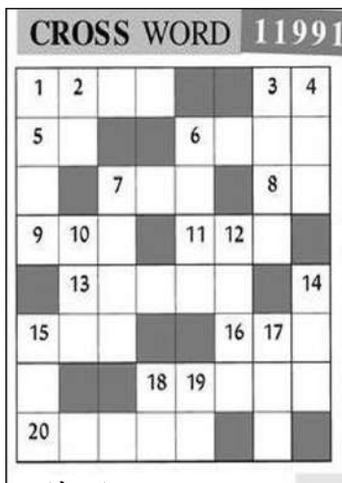

निकलते हैं 2. खोह, गुफा, हिंसक जानवरों के रहने की जगह 3. सुंघनी रखने की डिबिया 4. ठंडा, सर्द 6. भारत के उत्तर में स्थित प्रसिद्ध पर्वत 7. प्रसिद्ध (उर्दू) 10. मोर मयूर, नर्तक, अभिनेता (सं.) 12. सदा लात खाने वाला नीच 14. एक जाति जिसका कार्य प्राय: शराब बनाना और बेचना है 15. पतला बारीक, झीना 17. खान 18. तिरोहित, लोप (सं.) 19. धाक, शक्ति

बाएं से दाएं

1. पुलकित, जिसके रोंगटे खड़े हो गए हों 3. नाशक, नश्वर, नाश होने वाला (सं.) 5. नशा, घमंड, मतवाले हाथियों की कनपटी से निकलने वाला द्रव्य 6. किसी व्यक्ति पर रखा जाने वाला पहरा, हवालात 7. गौरव, महत्व, प्रभाव, प्रताप (सं.) 8. दली हुई अरहर मूंग आदि 9. ढाक, टेसू, 11. प्यारा बालक, लड़का 13. सुभीता (उर्दू) 15. बारह राशियों में से एक, मगर या घड़ियाल 16. पोला 18. प्रभावशाली (उर्दू) 20. जिसका सिर झुका हो

ऊपर से नीचे

1. शरीर के सूक्ष्म छेद जिनमें से रोए

Solution 11990

अ	वा	स्त	व	■	भ	न	क
गौ	र	व	■	भ	र	स	क
नी	■	न	वा	ग	त	■	ड़ी
■	उ	■	स	त	■	आ	■
उ	ब	ल	ना	■	स	वा	री
प	ट	■	■	सु	हा	ग	■
वा	न	प्र	स्थ	■	इ	म	ली
स	■	भा	ल	ना	■	न	ग

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अनावश्यक वाद विवाद होगा, मन में तनाव रह सकता है, व्यर्थ चिन्ताओं से कार्य में व्यवधान आयेगा, व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी, आकस्मिक क्रोध की स्थिति बन सकती है, शुभ समाचार प्राप्त होने का योग है, वर्ष के अन्त में नये स्त्रोतों में वृद्धि होगी, रूके कार्यो में गति आयेगी, धार्मिक कार्यो में व्यय होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आय के नवीन स्त्रातों में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का अधिकारी के सहयोग से लाभ होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को अनावश्यक विवाद हो सकता हे, सिंह राशि के व्यक्तयों के रूके कार्यो में गति आयेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शुभ समाचार मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ वाद विवाद से मुक्ति मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भागदौड़ अधिक होगी, अत्याधिक क्रोध की स्थिति न आने दें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, व्यक्तित्ववान होगा. बचपन में स्वास्थ्य नरम गरम, बाद में स्वास्थ्य सामान्य रहेगा. कामकाज में निपुण होशियार होगा. खेलों के प्रति अधिक रूचि रहेगी. किसी कला में उन्नति करेगा.

मेष- किसी नई योजना की ओर केन्द्रित होंगे. महत्वाकांक्षा ऊँची प्रगति के लिये प्रेरित करेंगी. नया कार्य सामने आ सकता है. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी.

वृषभ- जरूरी कार्य सार्थक होने का योग है. नौकरी में वातावरण सुखद रहेगा. कोई समस्या हल होगी. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा.

मिथुन- अपने भविष्य को सुनियोजित करें. भविष्य संबंधी चिन्तायें मन में प्रभावी रहेंगी. राजकीय कार्यो में सफ्लता मिलेगी. व्यापार व्यवसाय लाभकारी रहेगा.

कर्क- परिजनों के सुखद दुख से प्रभावित मन परिवार को एक जुट रखने पर केन्द्रित रहेगा. पुरूषार्थ बना रहेगा. किया गया प्रयास सार्थक होगा. मान सम्मान मिलेगा.

सिंह- किसी नये कार्य की पूर्ति होगी. भावुकता व्यवहारिक जगत के अनुकूल चलनेकी चेष्टा करें. विरोधियों का पराभव होगा. मानसिक सुख मिलेगा.

कन्या- किसी संबंध को लेकर परिवार में विरोध का सामना करना पड़ेगा. स्वजनों की आत्मीयता में वृद्धि होगी. मान सम्मान लेखन कार्यो में प्रयास सार्थक होगा.

तुला- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के लिये प्रयत्नशील रहेंगे. कार्यो में अवरोध आयेगा. कुटुम्बियों से सुख मिलेगा. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी.

वृश्चिक- मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, जोखिम के क्षेत्र में अच्छे लाभ के अवसर मिलेंगे. कामकाज पूरा होगा. कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफ्लता प्राप्त होगी.

धनु- निकट संबंधों में पारदर्शी व कर्त्तव्यनिष्ठ बनें, स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें. भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. खर्च की अधिकता रहेगी.

मकर- सगे संबंधों के अनुकूल नैतिक कर्त्तव्यों का पालन करें. नाजुक संबंधों में छोटी मोटी को दिल से न लगायें. लेखनादि के कार्यो में सफ्लता मिलेगी.

कुम्भ- बीती बातों को भूलने की चेष्टा करें, पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी. शत्रुओं पर विजय मिलेगी. व्यर्थ की चिन्ता रह सकती है.

मीन- सामान्य दिनचर्या व्यतीत हो रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा. पारिवारिक कार्यो की चिन्ता रह सकती है. कुछ कार्य अधूरे रह सकते है.

उदयकालीन ग्रह चाल

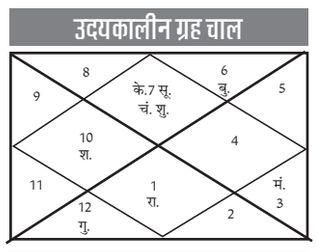

पंचांग

रा.मि. 21 संवत् 2082 भाद्रपद कृष्ण तृतीया भौमवासरे दिन 9/51, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्रे दिन 2/2, सुकर्मा योगे रात 9/53, विष्टि करणे सू.उ. 5/31 सू.अ. 6/29, चन्द्रचार कुम्भ दिन 8/15 से मीन, पर्व- संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, शु.रा. 12, 2, 3, 6, 7, 10 अ.रा. 1, 4, 5, 8, 9, 11 शुभांक- 5, 7, 1.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण तृतीया को पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से सरसों, अलसी, गुड़ खांड, अरंडी, बिनौला, घी, तेल, में तेजी होगी. रूई, कपास, से बनी वस्तुओं में चंदन के भाव में तेजी होगी. भाग्यांक 7586 है.

SUDOKU 7123

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7122

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1